समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 26 August 2026

Live 71वे रांष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार 2025: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया समारोह का उद्घाटन, जाने विजेताओं की पूरी सूची

Sanket Morankar

Published on 23 Sep 2025

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में मंगलवार को 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। इस साल के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में 2023 में रिलीज फिल्मों के उत्कृष्ट योगदान को सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने समारोह में विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए और भारतीय सिनेमा में उनके योगदान को सराहा।

समारोह में इस बार भी भारतीय सिनेमा की प्रमुख हस्तियों की भागीदारी रही। शाहरुख खान को उनके लंबे और उल्लेखनीय करियर के लिए सम्मानित किया गया, जबकि मोहनलाल को उनके सिनेमा में योगदान के लिए दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड से नवाजा गया। इसके अलावा, विक्रांत मैसी को उनके अदाकारी के लिए विशेष पुरस्कार मिला।

फिल्म 'द केरल स्टोरी' को भी इस साल विशेष सम्मान दिया गया। फिल्म की कहानी और प्रस्तुति को देखते हुए जूरी ने इसे सर्वश्रेष्ठ प्रोडक्शन में शामिल किया। निर्देशक और कलाकारों ने पुरस्कार प्राप्त करते समय अपने अनुभव साझा किए और कहा कि यह सम्मान उनके लिए गर्व का क्षण है।

समारोह के दौरान तकनीकी क्षेत्रों में भी कई पुरस्कार प्रदान किए गए। कैमरा वर्क, एडिटिंग, साउंड डिजाइन और स्क्रिप्टिंग जैसी श्रेणियों में विजेताओं को पुरस्कार देकर फिल्म उद्योग के हर पहलू को सम्मानित किया गया। जूरी ने कहा कि यह पुरस्कार नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से देशभर के दर्शक इस समारोह को घर बैठे देख सकते हैं। समारोह का आयोजन बेहद व्यवस्थित और आकर्षक ढंग से किया गया, जिसमें फिल्म उद्योग की विविधता और प्रतिभा को प्रमुखता से पेश किया गया।

इस साल का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह यह भी दर्शाता है कि भारतीय सिनेमा केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक संदेश को आम जनता तक पहुंचाने का भी प्रभावशाली माध्यम है। पुरस्कार विजेताओं ने अपने भाषणों में

भारतीय सिनेमा की चुनौतियों और उनकी यात्रा के अनुभव साझा किए।

71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में युवा और अनुभवी कलाकार दोनों को सम्मानित किया गया। इससे यह संदेश गया कि भारतीय सिनेमा में अनुभव और नई प्रतिभा का संतुलन ही उद्योग को आगे बढ़ाने में मदद करता है।

इस वर्ष के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह ने दर्शकों और फिल्म प्रेमियों को भारतीय सिनेमा की उत्कृष्टता और विविधता का अनुभव कराया। शाहरुख खान, मोहनलाल, विक्रांत मैसी और 'द केरल स्टोरी' जैसी उपलब्धियों ने भारतीय सिनेमा की शक्ति और वैश्विक पहचान को साबित किया।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.